Roll No.....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BSV-SEC-205/
BD-SEC-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2023

B.A. (Hons.) Vyakaran, Semester-II
B.A. (Hons.) Darshan, Semester-II

गीता स्मरण-I

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट: यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3 x15 =45)**

1. युद्ध से निवृत्ति के लिए अर्जुन द्वारा दिए गये हेतुओं का वर्णन करें।

2. द्वितीय अध्याय में वर्णित आत्मा के स्वरूप का वर्णन करें।

3. भगवान् श्रीकृष्ण के द्वारा अर्जुन को दिए गये क्षात्रधर्म का वर्णन करें।

4. गीता के अनुसार वर्णित 'स्थितप्रज्ञ' के लक्षण का वर्णन करें।

5. गीता में वर्णित कर्मयोग के स्वरूप एवं वैशिष्ट्य का उल्लेख करें।

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5 x5 =25)**

6. गीता के कर्मयोग की परम्परा का उल्लेख करें।

7. भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उपदिष्ट कर्म-विकर्म एवं अकर्म का निरूपण करें।

8. ''कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन'' प्रस्तुत श्लोक को पूर्ण करते हुए व्याख्या करें।

9. संन्यासी व योगी के वास्तविक स्वरूप का वर्णन करें।

10. योगसाधन के लिये आवश्यक आहार-विहार का वर्णन करें।

11. ''तपस्विभ्योऽधिको योगी.....'' इस श्लोक को पूर्ण करते हुए अर्थ स्पष्ट करें।

12. आत्मसंयमयोग में वर्णित मन को समाधिस्थ किये जाने वाले साधनों का वर्णन करें।

----------X----------